Gargadharfur Mahavidyamandin signa chaunabouty (PTT). Department of Philosoffy. CBES Synthem, Sem - 4 ce-8, Western Rogie (Induction)

135 2000 1805 0 - (Marks - 1)

े देश कार्याक जिल्ला के जाता मार्याक प्रमाण विश्व जिल्लाक र कः - कार्य-कार्यत्र ।

जी गुर्शामण स्थान क्षांत्र गुर्फ अ कः - अविवास्त्रम् अस्ति

ता नगरम उप विभय त्याम क्षिण " — वर्ग रेगव प्रण !

क्षः - ज्योक्षाक्षाक्षाक्षान् नामस्य सम्

ह । जाह यस कावासक कावासक कावासक - जाहिकाब व क्षा - कार्याक्रम रीहण्य ।

का "अवने कार्यक निर्माण निर्मा वनवन २०० नगरक "- नृत्यक निर्मावमाप १ र्ज - विश्वनाव्यवार् ।

का काम काम अमर्थि जामिया त मिन्नाका क्रिया अमर्थिक प्रक्रि 李明 22 7

क्ष - राष्ट्राचक व्यक्तीक्षार्थक्षक व्यक्तिक व्यक्तिक ।

प्रशासक अधीरतालक व्याप्तिक कार्याच्या व्याप्तिक कार्याच्या व्याप्तिक कार्याच्या व्याप्तिक व्यापतिक व्यापतिक व्यापतिक व्यापतिक व्यापतिक व्यापतिक व्यापतिक व्य 105: - ETHER !

pil marriago describerto char desape establicas per sentidos de se B. - Similar

की इजालांगक क्षाण्य कारण जार ज We - Land with all constitute planters altalose Uniterio आवार राजवार सामारकार में भाग रेक राजवार में निवास

२०। द्वाकात्रकः व्यवस्थान्तः कार्याः कार्याः वर्ष वर्षाव्यक्षाः (३) छो: — उपाविति एवत् ।

१३: - अह । १८ - अह हैये अवाव, ' अनुमेर त त्यानमूर, । १८: - अह हैये अवाव, ' अनुमेर त त्यानमूर, ।

315 350 Elga a 512 9 - (Mares - 5)

भ काबानण आउणा वा नाम विषयान्य काबर,

21 कार्यन उ अवर्ष्य मधी असी की र

ता त्याप्त्रमात् मात् ता कात्रत्य साव्या साव्या वात्रत्य साव्या व्याप्ता वा

भीत्री कर्ते । 81 अभित्राप्त कार्य । त्र त्रविष्ठि कार्य वालक की श्वास उ लाहेहणाल

व्य जिन्नीकानीकि अधिविधित की की वर्ग व विवास कर ।

ला लक्ष्मिलकाष्ट्रयं लार्ख्यक्षात्रमास योगिता वन्ते ।

91 Ad hoe अकेइ उत्प्राद्य अविशेष वर्षा हाए ,

म। वर्णिस् स्थमस्यिकं क्रमध्यायिक्षात्र कारिक वरण इ

का राम्यांक कामुन्न राधार्य अवस्था राष्ट्राय अवस्था रेगण।

३०। विस्पाद्य व्या । या मूला आधारा विस्

भी सस्मिनेत्रे, क्यासक एत्परके स्थाति सीक्या केष ।

TOTAL STEAT SON : - (Marks - 15)

रास्त्रीत्र — बीत्या कर्र ।

किरमुख । किरियं । कार्यम् अन्यसम्पर्यः क्रमियात क्रमियात्वा मेंद्री एक्सिन् श्रेष्टं को ज्ञी कार्यम् अन्यसम्पर्यः क्रमियात् क्रमियात्वा मेंद्री एक्टियः क्रमियात्व

- ा प्रसम्बद्ध व्यक्षित व्यक्षित व्यक्षित
- है। ज्यानी, कारक यान । हदानामक क अधुना जीसी वेस
- का हिमानमान क्ष्मिन प्रतिक क्षणी क्ष्मि क्ष्मि ।
- क्री अक्से काश्वर वृद्ध : अक्से एकार्ष् एकार्ष । अक्से कार्य कार्य कार्य कार्य ।
- भी लकार वास्त्र कार्यात्रक क्रायात्रक क्राया
- में विकारमा त्र क्षेत्रक क्षियामा क्षियामा क्षेत्रकारमा क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रकारमा क्षेत्रकारमा क्षेत्र
- त्राम्यान्य डे -मान्नी कर्न । हो ज्यानाम अभीयत कर्न ।
- त्रकारत है जनमान के ने क्षा के ने क्षा के ने क्षा है। जिल्लाक कर ने क्षा के क्षा के ने कि ने कि